दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 05.04.2024

प्रकाशनार्थ

दिनांक 05.04.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के हिन्दी विभाग द्वारा 'छायावाद और स्वातंत्र्य चेतना' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ. श्याम नन्दन, सहायक आचार्य महात्मा गॉधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार रहे। विषय को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने भारतेन्दु युग के कालगत साहित्यिक बोध पर बोलते हुए छायावाद की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्वरूप पर विस्तृत चर्चा किया। उन्होंने आगे कहा कि छायावाद के मूल में जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के साहित्य का अध्ययन कर छायावाद और स्वातंत्र्य चेतना को समझा जा सकता है। जो कविता आध्यात्म की सीढियॉ चढ़ते हुए प्रगति करती हैं वह कभी पलायनवादी नहीं हो सकती है। प्राणों की आहुति देकर ही देश स्वतंत्र हो सकता है, जो भारत की परम्परा में रहा है। दुनिया के किसी भी देश के इतिहास में आज तक सबसे ज्यादा बलिदान स्वतन्त्रता के लिए ही हुआ है। भारत की पहचान जिन मूल्यों के कारण रही है वह हमारी संस्कृति ही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि छायावादी कवियों में अतीत गौरव की अभिव्यक्ति, स्वाधीनता की चेतना, राष्ट्रप्रेम, त्याग और बलिदान, अस्मिता की खोज एवं प्रकृति चित्रण का वर्णन है। छायावादी साहित्य तत्कालीन परिस्थितियों से उद्भूत है जहॉ भारतीय जनमानस में स्वतंत्रता की आकांक्षा, राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्य व्याप्त थे।

कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव प्रभारी हिन्दी विभाग ने किया एवं संचालन डॉ. विभा सिंह ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अदिति दूबे ने किया।

उक्त कार्यक्रम में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सुनील सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शोधछात्र व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डॉ.(सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क